स्वास्थ के लिए जैन समाज तैयार

शहर में स्वास्थ्य के होने वाली हर पहल में जैन समाज सबसे पहले अपनी भूमिका निभाता है. बीते वर्ष भी बड़ी संख्या में जैन समाज के युवाओं, परिवारों ने भाग लिया था. इस बार भी हम सब दौड़ने के लिए तैयार हैं. युवाओं और बच्चों सभी से आह्वान करते हैं कि वह मैराथन प्रतियोगिता में उत्साह के साथ भाग लें.

- ललित पाटनी, अध्यक्ष खंडेलवाल दिगंबर जैन पंचायत

हम भी हैं जोश में...

Brought to you by SAFFRON LANDMARKS
Aurangabad Maha Marathon
A LOKMAT INITIATIVE 21km
17 Dec 2017
Associate Sponsor riSO Ricebran Oil
Powered by DHOOT TRANSMISSION
#MahaMarathon /MahaMarathon

औरंगाबाद के लोकमत भवन में सकल मारवाड़ी युवा मंच की ओर से (बाएं से) आशीष मेहता, मधुर अग्रवाल, गिरीश अग्रवाल, नितिन भक्कड़, आशीष अग्रवाल (अध्यक्ष), अमित भोमा (सचिव), संजय मंत्री, नरेश मोर, जगदीश उपाध्याय.

औरंगाबाद के लोकमत भवन में जायंट्स ग्रुप ऑफ औरंगाबाद प्राइड की ओर से (बाएं से) नीलेश गुंडवार, अभय शहा (सचिव), निखिल सारडा, संतोष धानुका, राजेश वैष्णव, प्रवीण सोमानी (अध्यक्ष), नंदकिशोर मालपानी, हुजेफा अमीन.

मधुमेह पीड़ित भी ले सकते हैं भाग

डॉ तुषार चूड़ीवाल ने बताया दौड़ का शरीर के लिए महत्व

औरंगाबाद | 3 दिसंबर | लोस सेवा

दौड़ना एक संपूर्ण व्यायाम है. इसमें मधुमेह के रोगी भी भाग ले सकतें हैं, बशर्ते वह उचित समय पर दवाईयां लेते हों और हिदायतों का पालन करते हों. दौड़ने से होने वाले अच्छे हार्मोन का स्त्राव दिमाग, दिल और फेंफड़ों को अधिक ताकतवर बताता है.

यह कहना है प्रसिद्ध मधुमेह विशेषज्ञ और महावीर मेडिकल फाउंडेशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ तुषार चूड़ीवाल का. डॉ तुषार चूड़ीवाल के मुताबिक दुनिया में आज मधुमेह, हृदय और श्वसन तंत्र की बीमारियां बेहद तेजी से फैल रही हैं. सबसे ज्यादा अव्यवस्थित जीवन शैली इसके लिए जिम्मेदार है. दौड़ना, चलना ही इन बीमारियों से लड़ने का सबसे अच्छा उपाय है. हृदय रोगी यदि दौड़ ने सकें तो चलें जरूर, तेज चलना भी शारीरिक गतिविधि में तेजी लाता है और कई बीमारियों से दूर रखता है. डॉ चूड़ीवाल के स्वयं अपने परिवार के साथ मैराथन में शामिल होते हैं. साथ की व्यायाम आदि के लिए भी समय-समय पर सेमिनार का आयोजन करते हैं. मैराथन स्पर्धा की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि यह दौड़ सिर्फ एक स्पर्धा नहीं है, अपितु युवाओं को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करने का सशक्त माध्यम है. इससे औरंगाबाद का नाम भी पूरे देश भर में फैल रहा है.

औरंगाबाद के लोकमत भवन में धूत हुंडई ग्रुप की ओर से (बाएं से) मनोज जाधव, शेख फुजेल, धीरज मंत्री, प्रसन्ना पांडव, अतीक खान, अरुण पोपलघट, रवींद्र फुलेलवाड़, रोहित पाटणकर, विकास वाळवेकर (जनरल मैनेजर सेल्स), अभिजीत कान्हेरे, सैयद आसिफ अली, राहुल ताजणे, प्रशांत पाटील, अखिल खान, प्रसाद बांगड़.

ग्रुप बुकिंग के लिए संपर्क करें

महामैराथन में अपना हिस्सा जल्द से जल्द निश्चित करें. इसके लिए पंजीयन लोकमत भवन, रीगल लॉन, जालना रोड में सुबह ग्यारह बजे से शाम पांच बजे तक कराया जा सकता है. स्पर्धा में स्कूल, महाविद्यालय, कंपनी के कर्मचारी, रनर्स ग्रुप भी एकत्रित रूप से पंजीयन करा सकते हैं. मैराथन में पंजीयन कर अधिक से अधिक धावक, नागरिक भाग लें.

स्पर्धा

- Half Marathon - 21 Kms
- Power Run - 10 Kms
- Fun Run - 5 Kms
- Family Run - 3 Kms

अधिक जानकारी व ग्रुप बुकिंग के लिए 9921030700, 0240-3021708 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है. महामैराथन में पंजीयन ऑनलाइन भी किया जा सकता है. इसके लिए धावक www.mahamarathon.com वेब लिंक पर जाएं.

332 कर्मचारियों की मतदान के लिए नियुक्ति

59 उम्मीदवार मैदान में; 29 हजार से अधिक मतदाता, सीनेट के चार जिलों में 55 मतदान केंद्र

औरंगाबाद | 3 दिसंबर | लोस सेवा

डॉ बाबासाहब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के स्नातक सीनेट चुनाव की दस सीटों के लिए सोमवार, 4 दिसंबर को सुबह 8 से 5 बजे के बीच मतदान होने जा रहा है. इसके लिए चार जिलों में 55 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 29 हजार से अधिक स्नातक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. इस चुनाव को लेकर पुख्ता तैयारियां विवि के चुनाव कार्यालय ने की है.

चुनाव कार्यालय सूत्रों के मुताबिक चार जिलों में 55 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें 83 बूथ रखे गए हैं. एक बूथ पर कम से कम 500 मतदाता मतदान करेंगे. स्नातक सीनेट चुनाव में पांच स्थान खुले वर्ग से और अन्य पांच स्थान आरक्षित श्रेणी से भरे जाएंगे. चुनाव के लिए 29 हजार 8 मतदाता है. जिसमें अकेले औरंगाबाद जिले से 14 हजार से अधिक मतदाता हैं. जिसके लिए शहर के प्रमुख महाविद्यालयों में तथा विवि में मतदान केंद्र बनाए गए हैं. चुनाव के लिए विवि ने शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया है. चुनाव में विभिन्न स्तरों पर अलग-अलग रंग की मतपत्रिका का प्रयोग किया जाएगा. चुनाव को सफल बनाने के लिए अधिकारी, कर्मचारियों की रिजर्व फोर्स भी रखी गई है. अकेले औरंगाबाद शहर में 10 मतदान केंद्र हैं. जिसमें किसी कॉलेज में एक या तीन से अधिक बूथों की संख्या रखी गई है. मतदान के दिन पुलिस का बंदोबस्त भी रखा जाएगा. पिछले चुनाव में हुई गलतियों से सबक लेकर विवि प्रशासन ने मतदान केंद्र पर सभी आवश्यक सामग्री उचित समय में पहुंचाने का निर्णय लिया है. एक मतदान केंद्र पर एक केंद्र अधिकारी के साथ अन्य तीन कर्मचारी होंगे. विवि के अधिकांश शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों को चुनाव के दिन ड्यूटी दी गई है.

इतने हैं उम्मीदवार

स्नातक सीनेट खुले वर्ग में सर्वाधिक 33 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं. उसके बाद अनुसूचित जाति से 9 उम्मीदवार, अनुसूचित जनजाति से 3 उम्मीदवार, भटके-विमुक्त जाति-जमाति से 5 उम्मीदवार, अन्य पिछड़ा वर्ग से 4 उम्मीदवार, महिला कैटेगिरी से 5 उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपना नसीब आजमा रहे हैं.

चुनावी प्रचार रंग लाया

चुनाव में राजनीतिक दलों से समर्थित कई पैनलों ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं. इसमें विभिन्न विद्यार्थी संगठन के नेता भी चुनाव लड़ रहे हैं. कुछ उम्मीदवार निर्दलीय रूप से लड़ रहे हैं. इस चुनाव में हर एक उम्मीदवार ने अपने-अपने तरीके से मतदाताओं तक पहुंचने का प्रयास किया है. सोशल मीडिया के साथ-साथ मतदाताओं से कॉलेज टू कॉलेज और जिलावार दौरे कर संपर्क किए गए हैं. विवि का कार्यक्षेत्र चार जिलों में फैला है. साथ ही अकेले औरंगाबाद जिले में मतदाता सूची के आधे से अधिक उम्मीदवार रहते हैं. जिससे तीन जिलों के साथ-साथ उम्मीदवारों ने औरंगाबाद स्नातक मतदाताओं तक पहुंचने का प्रयास किया.

मतदाताओं ने सुझाए मतदान केंद्र

डॉ बाबासाहब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय की स्नातक सीनेट मतदाता सूची के लिए 43 हजार से अधिक आवेदन आए थे. ऑनलाइन मतदाता पंजीयन के समय पर ही आवेदकों से तीन मतदान केंद्र का ऑप्शन चयन करने को कहा था. जिसके अनुसार आवेदन करने वालों को मतदान केंद्र दिया गया है. जिन कॉलेजों में मतदाताओं की संख्या अधिक है, वहां पर बूथों की संख्या बढ़ाई गई है. दूसरी ओर विवि के कुलपति डॉ बीए चोपड़े ने निर्देश दिए कि, पांच साल में एक बार शिक्षकों से विवि प्रशासन चुनाव कार्य में शामिल होने की अपेक्षा रखता है. जिससे शिक्षकों को जिम्मेदारी का वहन करना चाहिए.

Govt Reg.No.7342
पेन केअर इंस्टीट्युट
ऑर्थोपेडीक सर्जन द्वारे सल्ला व उपचार

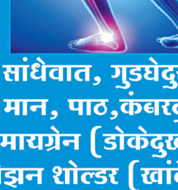

सांधेवात, गुडघेदुखी, मान, पाठ, कंबरदुखी मायग्रेन (डोकेदुखी), फ्रोझन शोल्डर (खांदेदुखी) सायटीका, स्लिप डिस्क, टाचदुखी, टेनिस ऐल्बो हातापायात मुंग्या येणे
अपना बाजार, बाफना ज्वेलर्स समोर, जालना रोड, औरंगाबाद.
9822899660, 9422713387, 9767442040
(कृपया अपॉईंटमेंट घेऊनच येणे)
सोमवार ते शुक्रवार फक्त

शहर में पार्किंग सुविधा को लेकर याचिका

खंडपीठ ने दो सप्ताह के भीतर प्रतिवादियों से पक्ष रखने के लिए कहा, सार्वजनिक यातायात की भी मांग

औरंगाबाद | 3 दिसंबर | लोस सेवा

मुंबई उच्च न्यायालय की औरंगाबाद खंडपीठ के न्यायमूर्ति आरएम बोर्डे और न्यायमूर्ति विभा कंकणवाड़ी ने शहर में मनपा की ओर से नि:शुल्क पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दायर जनहित याचिका पर प्रतिवादियों को दो सप्ताह के भीतर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है. मामले की अगली सुनवाई आगामी 11 दिसंबर को रखी गई है.

बिपिन शंकरसिंह नाईक ने खंडपीठ में जनहित याचिका दायर कर स्पष्ट किया है कि शहर में सार्वजनिक यातायात एवं पार्किंग की समस्या गंभीर है. शहर में मनपा की ओर से सार्वजनिक यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही निजी वाहनों के लिए पार्किंग की सहूलियत दी जानी चाहिए. इसके अलावा शहर में पार्किंग के गैरकानूनी उपयोग पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए. वर्तमान में विभिन्न स्थानों पर पार्किंग की सुविधा को लेकर गैरकानूनी रूप से शुल्क वसूलने का कार्य जारी है. इस वसूली पर भी रोक लगाना जरूरी है.

याचिका में केंद्र सरकार, राज्य सरकार, महानगर पालिका, जिलाधिकारी, मनपा आयुक्त, पुलिस आयुक्त, सिडको महामंडल को प्रतिवादी बनाया गया है. संबंधित याचिका में ट्रान्सपोर्ट पॉलिसी के क्रियान्वयन के साथ ही अन्य संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान देने के लिए कहा गया है. केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शहरी यातायात नीति के तहत सभी महत्वपूर्ण शहरों में शहरी यातायात और पार्किंग को लेकर उपाय योजना के निर्देश जारी किए गए हैं. इसमें सार्वजनिक यातायात की सुविधा देने के साथ ही पार्किंग की समस्या को भी दूर करने और विकास नियंत्रण नियमावली में सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं.

उक्त निर्देशों का पालन करते हुए पुणे और अन्य महानगर पालिकाओं में ट्रान्सपोर्ट पॉलिसी और पार्किंग पॉलिसी तैयार कर उनका क्रियान्वयन भी शुरू कर दिया गया है. इसके बावजूद औरंगाबाद मनपा ने अभी तक किसी तरह की कार्यवाही नहीं शुरु की है. याचिकाकर्ता का यह भी कहना था कि औरंगाबाद शहर 'क' श्रेणी की महानगर पालिका है. शहर की जनसंख्या 15 लाख के आस-पास है. मनपा की सीमा के अलावा 'झालर' क्षेत्र के 26 गांव, वालूज महानगर क्षेत्र के 18 गांव, शेंद्रा औद्योगिक परिसर के 10 गांव के हजारों लोग अपने विभिन्न कार्यों के लिए मनपा की सीमा में आते हैं. इतना ही नहीं, औरंगाबाद की जनसंख्या लगभग 15 लाख है.

इतना ही नहीं, औरंगाबाद शहर मराठवाड़ा का अहम शहर है और पूरे मराठवाड़ा से सरकारी, अर्ध सरकारी और निजी कार्यों के लिए हजारों लोग प्रतिदिन शहर में आते हैं. औरंगाबाद शहर और परिसर में ऐतिहासिक धरोहर होने से प्रतिदिन हजारों पर्यटक भी शहर में आते हैं. शहर का विकास प्रारूप उचित पद्धति से क्रियान्वित नहीं करने और विकास नियंत्रण नियमावली का पालन ठीक से नहीं होने से शहर में यातायात और पार्किंग को लेकर समस्याएं खड़ी हो गई हैं. शहर में वर्तमान में भी अधिकांश स्थानों पर पार्किंग की सुविधा नहीं है. वहीं विभिन्न स्थानों पर पार्किंग की गंभीर समस्या बनी हुई है.

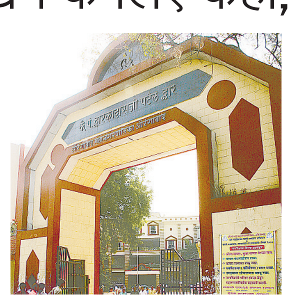

पहले ही शहर के रास्ते संकरे हैं और पार्किंग की गंभीर समस्या के चलते यह रास्ते और संकरे हो गए हैं. शहर का जनजीवन बगैर किसी कारण ही अस्त-व्यस्त हो गया है. शहर के अनेक इलाकों में बड़े पैमाने पर व्यापारिक उपयोग शुरु होने से रास्तों पर पार्किंग की समस्या बढ़ी है. पार्किंग की समस्या का हल निकालने के लिए समय-समय पर विकास नियंत्रण नियमावली में प्रावधान किए गए हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है और पार्किंग की जगह का गैरकानूनी रूप से उपयोग जारी है. नियोजन प्राधिकरण के रूप में औरंगाबाद मनपा तथा सिडको इस गैरकानूनी उपयोग को रोकने में पूरी तरह असफल साबित हुए हैं.

विभिन्न अधिकारियों और पदाधिकारियों के आशीर्वाद से गैरकानूनी निर्माण कार्य और उपयोग को बराबर बरसों से नजरअंदाज किया जाता रहा है. पार्किंग की जगह के दुरुपयोग से गैरकानूनी पार्किंग शुल्क से पार्किंग की समस्या गंभीर हो गई है. पार्किंग शुल्क की समस्या के चलते अनेक स्थानों पर लोग रास्तों पर ही वाहन खड़े करते हैं, इस तरह पार्किंग की समस्या गंभीर हो गई है. जहां पर पार्किंग के लिए नि:शुल्क एफएसआई का उपयोग किया गया है, वहां पर पार्किंग देना अनिवार्य है और ऐसे स्थानों पर पार्किंग शुल्क की वसूली भी गैरकानूनी है.

आता प्रथमच सेक्स समस्यांवर अत्याधुनिक विदेशात प्रचलित लेझर व व्हॅक्युम थेरेपी उपचार
विवाहापुर्वी व विवाहानंतर समस्यांसाठी एम.बी.बी.,एस.एम.डी. डॉक्टरांचा सल्ला
हस्तमैथुन, स्वप्नदोष, विर्यदोष, शिघ्रपतन, इंद्रीय शिथिलता, पुरुष वंधत्व
हायपोगोनॅडिझममुळे इंद्रीय समस्या, मधुमेहामुळे आलेली लैगिंक शिथीलता
ऑलीगोस्पर्मीया : शुक्रजंतुची संख्या कमी असणे. ॲझुस्पर्मीया: शुक्रजंतुची संख्या अजीबात नसणे.

आशाकिरण क्लिनीक
१९८५ पासुन शास्त्रीयोक्त मार्गदर्शन केंद्र
३८, निराला बाजार, बाटा शोरुम समोर, औरंगाबाद. वेळ - स.११ ते ३ व सायं.७ ते ९ शनिवार रविवार बंद
कृपया अनावश्यक खर्चीक व फसव्या उपचारापासुन सावध मो. 7769856821 9767132521

दिन भर लगी रहती है यात्रियों की भीड़

बसों की संख्या बढ़ाने की महती आवश्यकता

बसें कम होने के कारण भेड़-बकरियों की तरह भरे रहते हैं यात्री

औरंगाबाद. मध्यवर्ती बस स्टैंड से प्रतिदिन ढाई हजार यात्री आते-जाते हैं. इस तुलना में डिपो में मात्र 136 बसें उपलब्ध हैं. अनुमान के मुताबिक 70 बसों सहित 70 चालक और 70 परिचालकों की आवश्यकता डिपो को है. तभी डिपो का बोझ कुछ हद तक हल्का हो सकता है.

वर्तमान में डिपो नंबर-2 पर यात्रियों का बोझ बढ़ रहा है. इस तुलना में बसों की संख्या कम होने के कारण बस स्टैंड में स्थाई रूप से अतिरिक्त भीड़ नजर आ रही है. मध्यवर्ती बस स्टैंड में सुबह साढ़े ग्यारह तक और शाम साढ़े पांच बजे के पश्चात यात्रियों की जबर्दस्त भीड़ नजर आती है. इस दौरान महाविद्यालयीन विद्यार्थी, श्रमिक और काम के कारण आने वाले यात्रियों की संख्या अधिक होती है. मध्यवर्ती बस स्टैंड से पुणे, नगर, नासिक, धुलिया, जलगांव, अमलनेर आदि शहरों में जाने वाले यात्रियों के मद्देनजर प्रति दस से बीस मिनट बाद दूसरी बस की आवश्यकता होती है, लेकिन यात्रियों की तुलना में डिपो के पास बसें कम हैं और डिपो नंबर-2 को 136 बसों की मंजूरी दी गई है. इतनी बसें डिपो के पास उपलब्ध हैं, लेकिन प्रासंगिक करार, शालेय सैर, मेला-उर्स स्पेशल के लिए डिपो से प्रतिदिन पांच से सात बसों की मांग की जाती है और यह मांग पूरी भी करनी पड़ती है. वर्तमान में डिपो में 229 परिचालक और 258 चालक हैं. शाम पांच बजे के बाद पैठण, कन्नड़, सिल्लोड़, फुलंब्री आदि स्थानों पर जाने वाले यात्रियों को समय पर बसें नहीं मिलतीं. बस मिलती है तो सारे यात्री दोगुनी संख्या में सवार हो जाते हैं. उन्हें घंटों तक बस स्टैंड में प्रतीक्षा करनी पड़ती है. इससे विद्यार्थियों का शैक्षणिक नुकसान हो रहा है.

#MahaMarathon /MahaMarathon | लोकमत समाचार
Brought to you by SAFFRON LANDMARKS
Aurangabad Maha Marathon
A LOKMAT INITIATIVE 21km
17 Dec 2017
Associate Sponsor riSO Ricebran Oil
Powered by DHOOT TRANSMISSION

17 दिसंबर 2017
विभागीय क्रीड़ा संकुल, सूत गिरणी चौक, गारखेड़ा, औरंगाबाद

नाम पंजीकरण www.mahamarathon.com/aurangabad पर ऑनलाइन कर सकते हैं
या मैराथन प्रवेश पत्र लोकमत भवन, जालना रोड पर उपलब्ध हैं | संपर्क : 9921030700, 9130239424 | फोन : 0240-3021708

लोकमत महामैराथन
औरंगाबाद 17/12/2017 | कोल्हापुर 28/01/2018 | नागपुर 11/02/2018 | नासिक 07/10/2018

T-Shirt Partner · Co-Sponsors · In Association with · Food & Beverage Partner · Official Energy Drink Partner
Sporting Accommodation Partner · Health & Drink Partner · Outdoor Partner · Healthcare Partner · Race Management · Health & Fitness Partner · Water Partner · Banking Partners · Sound Partner · Mall Partner · Sports Partners